शनिवार

02 मई 2026

- देहरादून
- वर्ष 34
- अंक 98
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com

Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

कानून या क्रूरता

पुलिस कार्रवाई पर उठे बड़े सवाल

हमारे संवाददाता

देहरादून। दून पुलिस द्वारा छात्र-छात्राओं और स्थानीय लोगों पर जिस तरह हिंसक हमला किया गया जिसे अब पुलिस के आला अधिकारी हल्का लाठी चार्ज और दो पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर कर हल्का-फुल्का मामला बनाने की कोशिश की जा रही है। उसकी तस्वीर और वायरल वीडियो पुलिस की इस अमानवीय तथा बर्बरतापूर्ण कार्यवाही की कहानी खुद बता रही हैं इसके लिए किसी भी तरह के साक्ष्य की कोई जरूरत नहीं है।

इस पूरे घटनाक्रम में सबसे अहम बात यह है कि प्रेम नगर क्षेत्र के जिस उत्तरांचल विश्वविद्यालय को प्रशासन द्वारा दी गई अनुमति को 15 दिन पहले खारिज कर दिया गया था उसकी सूचना छात्र-छात्राओं को देना प्रबंधको ने क्यों जरूरी नहीं समझा और अनुमति खारिज होने के बाद भी इस संगीत शो का आयोजन क्यों किया गया। क्या इसके लिए वह भीड़ जिम्मेदार थी जिस पर पुलिस द्वारा बेरहमी से लाठियां भाजी गई या फिर वह विश्वविद्यालय और उसका वह प्रबंधन जिन्होंने इसकी अवहेलना

की चीख पुकार और पुलिस कर्मियों के लाठियां बरसाने की तस्वीर बताती है कि यह अगर हल्का लाठीचार्ज है तो फिर बड़ी कार्रवाई तो सिर्फ गोलियां मारना ही हो सकता है। लोगों की आलोचना के बाद दो पुलिस कर्मियों को लाइन हाजिर क्यों किया गया अगर पुलिस की कोई करते हुए इस कार्यक्रम का आयोजन कराया गया। क्या पुलिस प्रशासन द्वारा विश्वविद्यालय प्रबंधन के खिलाफ भी कोई कार्यवाही की जाएगी या फिर मासूम जनता पर लाठियां भांज कर और कुछ लोगों को अस्पताल पहुंचा कर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर ली गई है।

इस घटना को लेकर अब लोगों में भारी आक्रोश है तथा इस पुलिसिया कार्रवाई के लिए सोशल मीडिया पर थू-थू किया जा रहा है। यह ठीक है कि इस कार्यक्रम में उमड़ी भीड़ के कारण यातायात बाधित हुआ लेकिन इसके जिम्मेदार वह लोग नहीं है जो सिंगर दर्शन रावल को सुनने आए थे। महिलाओं गलती नहीं थी। अभी-अभी दो दिन पूर्व एक प्रॉपर्टी डीलर से लूट के मामले में एक बदमाश का एनकाउंटर कर वाहवाही लूटने वाली प्रेम नगर पुलिस ने इस कार्यवाही से अपनी सारी साख को धोकर रख दिया है।

चारों तरफ इसे लेकर पुलिस की निंदा हो रही है। राजधानी में आए दिन होने वाले मर्डर और अपराधों को रोक पाने में नाकाम पुलिस का आम लोगों पर उतारा गया यह गुस्सा किसी भी सूरत में ठीक नहीं कहा जा सकता है। देखना यह है कि अब प्रशासन विश्वविद्यालय प्रबंधन पर कोई कार्रवाई करने का साहस दिखा पता है या नहीं।

दून घाटी की यूनिवर्सिटी बनी शोर के अड्डे

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। दूनघाटी में प्राइवेट यूनिवर्सिटी में शोर संस्कृति का नया ट्रेड शुरू हो गया है। यूनिवर्सिटी लाखों-करोड़ों की फीस लेने के बाद छात्र-छात्राओं को संगीत की धुनों पर थिरकते नजर आ रहे हैं। हालांकि यूनिवर्सिटी प्रशासन ऐसे कार्यक्रमों को छात्र-छात्रओं के सर्वांगीण विकास के लिए जरूरी बताता है। वहीं दूसरी ओर समाज का एक वर्ग इन आयोजनों पर होने वाले भारी-भरकम खर्च को लेकर सवाल खड़े कर रहा है। आज बहस इस बात पर छिड़ गई है कि क्या प्राइवेट यूनिवर्सिटी अपनी मूल दिशा से भटककर मनोरंजन के अड्डे बनते जा रहे हैं।

दूनघाटी की प्राइवेट यूनिवर्सिटी में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजनों में नामी गायकों, डीजे और कलाकारों को बुलाने की एक होड़ सी मची है। एक ही रात के लिए लाखों-करोड़ों रुपये पानी की तरह बहा दिए जा रहे हैं। सवाल यह उठता है कि जिस छात्र की फीस से यह पैसा आता है, क्या उसे बदले में वैसी विश्वस्तरीय शैक्षणिक सुविधाएं मिल रही हैं? जानकारों का मानना है कि प्राइवेट यूनिवर्सिटी अब शिक्षा की गुणवत्ता के बजाय स्टार पावर के दम पर अपनी ब्रांडिंग करने में जुटे हैं।

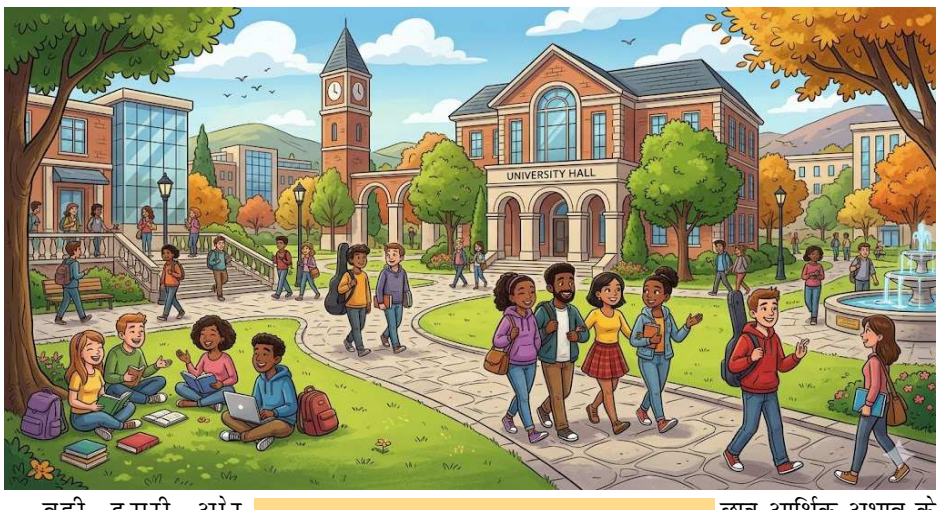

●करोड़ों की फीस, बदले में डी.जे. नाइट्स
●नाच-गाने के बीच खो रही है शैक्षणिक गंभीरता

वही दूसरी ओर आलोचकों का कहना है कि यूनिवर्सिटी अब पढ़ाई, शोध और नवाचार के बजाय नाचने-गाने के अड्डे में तब्दील होती दिख रही हैं। जब साल भर का फोकस कल्चरल इवेंट्स और सेलिब्रिटी नाइट्स पर रहेगा, तो छात्र के भीतर बौद्धिक गंभीरता कैसे विकसित होगी। अभिभावकों का कहना है कि आज भी कई छात्र आर्थिक अभाव के कारण अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पा रहे हैं। ऐसे में भव्य आयोजनों पर खर्च को लेकर असंतोष स्वाभाविक है। उनका मानना है कि विश्वविद्यालयों को अपनी प्राथमिकताएं तय करनी चाहिए और शिक्षा के मूल उद्देश्य ज्ञान और समान अवसर को सर्वोपरि रखना चाहिए।

अब सबसे गंभीर प्रश्न आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों को लेकर आता है। एक ओर जहां यूनिवर्सिटी आर्टिस्ट्स को बुलाने के लिए बजट का पिटारा खोल देती है। वही जब बात किसी गरीब परिवार के प्रतिभाशाली छात्र की फीस माफी या छात्रवृत्ति की आती है, तो नियम-कायदों का हवाला दिया जाता है। यूनिवर्सिटी करोड़ों रूपये चंद घंटों के शोर में बर्बाद हुआ, उसे ग्रामीण क्षेत्रों के उन बच्चों के लिए इस्तेमाल नहीं किया जा सकता था जो संसाधन न होने के कारण उच्च शिक्षा से वंचित रह जाते हैं?

बता दें कि उत्तराखंड जैसे पहाड़ी प्रदेश में, जहां कई माता-पिता पेट काटकर अपने बच्चों को शहर पढ़ने भेजते हैं, वहां विश्वविद्यालयों की नैतिक जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। मनोरंजन आवश्यक है, लेकिन वह शिक्षा की लागत और गरीबों के हक को मारकर नहीं होना चाहिए।

शिक्षा विशेषज्ञों के अनुसार यह बहस केवल एक संस्थान तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे शिक्षा तंत्र से जुड़ा सवाल है। जरूरी है कि विश्वविद्यालय शिक्षा और सांस्कृतिक गतिविधियों के बीच संतुलन बनाए रखें, ताकि न तो प्रतिभाओं का दमन हो और न ही शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित हो।

दून वैली मेल

संपादकीय

जनता महंगाई से त्रस्त, सरकार चुनाव में मस्त

जब देश की जनता अच्छे दिन आने की उम्मीद में मोदी की सरकार लेकर आई तो उसने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि उसने अपने इतने बुरे दिन लाने का इंतजाम कर लिया है जहां भूखा मरने पर मजबूर होना पड़ेगा। अगर वर्ल्ड बैंक की ताजा रिपोर्ट पर गौर करें तो आने वाले समय में 4.5 करोड़ लोग भुखमरी की लाइन में शामिल होने वाले हैं इसका भारत पर व्यापक असर इसलिए पड़ेगा क्योंकि इनमें हर छठा आदमी भारत का है। अभी खाड़ी युद्ध के बीच राहुल गांध ी ने कहा था कि 29 अप्रैल को वोटिंग समाप्त होते ही तेल और गैस की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि होगी जिसे सरकार नकार रही थी और पर्याप्त उपलब्धता की बात कर रही थी लेकिन बीते कल कमर्शियल गैस सिलेंडर के दामों में 900 रूपये की वृद्धि कर दी गई जो अब तक की सबसे बड़ी वृद्धि है। कमर्शियल गैस सिलेंडर पर बीते 4 महीनो में 81 फीसदी बढ़ोतरी हो चुकी है इससे खाने-पीने की वस्तुओं पर चलने वाले व्यवसाय पर क्या असर पड़ेगा और जो बाजार के खाने पर निर्भर है उनकी जेब पर क्या असर पड़ेगा? इसे कोई समझने को तैयार नहीं है। आने वाले समय में रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में भारी वृद्धि की संभावना है तथा पेट्रोल-डीजल 25 से 30 रुपए अधिक महंगा हो सकता है। भारत अपनी जरूरत का 50 फीसदी एलपीजी आयात करता है अगर होंमुज का दरवाजा बंद रहता है तो आने वाला समय किस हद तक संकट को लेकर आएगा? इसका अंदाजा सहज लगाया जा सकता है। भले ही सरकार के द्वारा पेश किए जाने वाले दावों में देश की विकास दर सरपट दौड़ रही हो लेकिन इसकी जो हकीकत है उसको सिर्फ वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट ही नहीं बता रही है डॉलर के मुकाबले रुपए की गिरती कीमत जो 95 तक पहुंच रही है तथा देश का शेयर बाजार जिसमें घरेलू निवेश का लाखों करोड़ हर सप्ताह डूब रहा है और रिकॉर्ड विदेशी निवेश अपना पैसा निकाल कर हर रोज भाग रहे हैं। देश की पांच ट्रिलियन वाली अर्थव्यवस्था की सच्चाई बताने के लिए काफी है। बीते साल विदेशी निवेशको 1.66 करोड़ की निकासी की थी लेकिन इस साल के बीते 4 माह में 1.19 की निकासी की जा चुकी है। भारत की विकास दर का आंकड़ा अभी भी 4 से 5 फीसदी पर अटका हुआ है। सरकार भले ही अपने आंकड़ों में इस विकास दर को कुछ भी बताएं और देश के लोगों को विकसित भारत का सपना दिखाएं, बीते 11 सालों से देश में यही सब हो रहा है लेकिन देश का गोदी मीडिया आज तक भी मोदी नोटिस कांड का बाजा बजा रहा है। मोदी कांग्रेस के समय में रुपए की कीमत 56 रूपये आने पर अपनी छाती पीटा करते थे वह अब डॉलर के मुकाबले 95 रुपए पर पहुंचने पर अपनी मजबूत अर्थव्यवस्था का ढोल पीट रहे हैं। न तो विदेशी निवेश आगे बढ़ता दिख रहा है और न निर्यात का आंकड़ा मगर विकास दर छलांगे मार रही है। सत्ता में बैठे लोग न तो सच को सुनना चाहते हैं न समझना और देखना उनका एकमात्र उद्देश्य सिर्फ और सिर्फ चुनावी जीत तक ही सीमित भर रह गया है। इन दिनों सरकार और पूरी सरकार सिर्फ पश्चिम बंगाल का चुनाव जीतने में जुटी हुई है अगर देश के 80 90 लाख लोग भुखमरी वाली स्थिति पर पहुंच भी जाते हैं तो इससे उन्हें क्या फर्क पढ़ना है। सरकार चुनाव में मस्त है तथा देश की जनता महंगाई से त्रस्त है। लोगों की जमा पूंजी ठिकाने लग रही है बैंकों के बचत खातों में पैसा आ नहीं रहा है। लोग और अधिक गरीब होते जा रहे हैं उनकी समझ नहीं आ रहा है कि यह कैसा विकास है।

भाजपा करेगी चुनाव रणनीति पर मंथन

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के दौरे में सरकार और संगठन पर विस्तृत चर्चा के साथ 27 के चुनाव रणनीति पर होगा मंथन। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने बताया कि शीघ्र होने वाले इस पहले प्रवास में राष्ट्रीय अध्यक्ष मंडल से लेकर प्रदेश और सरकार में कैबिनेट मंत्रियों की बैठक लेंगे।

पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों के विभिन्न मुद्दों पर पूछे गए सवालों के जबाब में भट्ट ने भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष के प्रस्तावित दौरे को लेकर बताया कि शीघ्र पांच राज्यों के परिणामों के बाद वह तीन दिवसीय प्रवास पर उत्तराखंड आयेंगे। इसको लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह है और एयरपोर्ट से लेकर पार्टी मुख्यालय तक वह जगह-जगह पर उनका शानदार स्वागत करने को उत्सुक हैं।

अपने प्रवास में अध्यक्ष जी बलबीर रोड स्थित पार्टी मुख्यालय में प्रदेश कोर ग्रुप की बैठक लेंगे, जिसमें मुख्यमंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री, सांसद समेत कोर कमेटी के सदस्य मौजूद रहेंगे। बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव रणनीति को लेकर विस्तृत चर्चा होगी। प्रदेश संगठन द्वारा राज्य के वर्तमान राजनैतिक परिदृश्य का खाका खींचते हुए, विधानसभावार पार्टी की तैयारियों का ब्यौरा प्रस्तुत किया जाएगा।

❑भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष के तीन दिवसीय प्रवास को लेकर भाजपा के कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह
❑कोर ग्रुप, मंत्रियों के अतिरिक्त एक जिला, मंडल टीम संग बैठक में परखेंगे जमीनी तैयारी
❑विस चुनाव 2027 में जीत की दृष्टि से मिलेगा भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष का मार्गदर्शनः भट्ट

इसके साथ ही केंद्र और राज्य सरकार के कामों का जनता पर प्रभाव, विधायकों के प्रदर्शन और क्षेत्रवार मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। इसी तरह जिन सीटों पर पार्टी जनता का विश्वास हासिल नहीं कर पाई थी उसके लिए विशेष रणनीतिक योजना का खाका तैयार किया जाएगा। इस बार भाजपा सभी विधानसभाओं को जीतने की दृष्टि से बनने वाली चुनावी योजनाओं पर राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा मार्गदर्शन दिया जाएगा।

चार धाम यात्रा में वीआईपी दर्शन को लेकर पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए कहा भगवान के दरबार में व्यवस्था सबके लिए समान हैं और कोई भी विशेष नहीं है। बाबा केदार भी अपने सभी भक्तों को दर्शन दे रहे हैं। जहां तक प्रदर्शन की बात है तो सबको अपनी बात कहने का लोकतांत्रिक अधिकार है। सरकार की तैयारी शानदार है, लिहाजा विपक्ष को यात्रा को लेकर भ्रम फैलाने और देवभूमि की छवि खराब करने के प्रयासों से बचना चाहिए।

उन्होंने कांग्रेस प्रभारी के गढ़वाल दौरे को लेकर कहा कि यह कांग्रेस का निजी मामला है। लेकिन इतना जरूर है कि उनका पिछला कुमायूं दौरा बहुत अच्छे परिणाम वाला नहीं रहा, ठीक ऐसा ही कुछ गढ़वाल में भी रहने वाला है। अभी तो यह भी तय नहीं है कि वह धार्मिक यात्रा पर हैं या राजनीतिक। फिलहाल तो उनके प्रभारी के आने से प्रदेश कांग्रेस की स्थिति में कोई सुधार नहीं आने वाला है। क्योंकि कांग्रेस पार्टी और उनके नेता जनता के अरमानों पर ही बहुत भारी पड़ रहे हैं, जिसे वह जल्द से जल्द उतारना चाहती है। लिहाजा उनके आने जाने से प्रदेश की राजनीति में कोई प्रभाव नहीं पड़ने वाला है।

प्रदेश में यूसीसी की तर्ज पर लागू हो महिला आरक्षणः आप

संवाददाता

देहरादून। आम आदमी पार्टी ने कहा कि महिला आरक्षण पर बीजेपी-कांग्रेस का डबल गेम बेनकाब हो गया है। यूसीसी की तर्ज पर 33 प्रतिशत लागू करें या फिर सच्चाई स्वीकार करें। आज यहां आम आदमी पार्टी उत्तराखंड ने आयोजित पत्रकार वार्ता में महिला आरक्षण के मुद्दे पर भाजपा द्वारा बनाए जा रहे राजनीतिक माहौल को पूरी तरह भ्रामक और गुमराह करने वाला बताया। पार्टी ने कहा कि केंद्र से लेकर राज्य तक भाजपा महिला आरक्षण के नाम पर केवल राजनीति कर रही है, जबकि हकीकत में महिलाओं को उनका हक देने की कोई ठोस मंशा दिखाई नहीं देती। पार्टी ने आरोप लगाया कि परिसीमन को महिला आरक्षण के रूप में प्रस्तुत कर देश की महिलाओं और आम जनता को भ्रमित किया जा रहा है।

आम आदमी पार्टी ने इसे "नारी शक्ति के नाम पर छलावा" बताया। हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा लाया गया तथाकथित "नारी वंदन अधिनियम 2026" सदन में गिर गया, जिसके लिए भाजपा विपक्ष को जिम्मेदार ठहरा रही है। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या यह वास्तव में महिला आरक्षण का बिल था या फिर महिला आरक्षण की आड़ में परिसीमन का प्रयास? यदि 2023 में महिला आरक्षण से संबंधित कानून पहले ही पारित हो चुका है, तो फिर यह नया राजनीतिक नाटक क्यों किया गया, सरकार को इसका स्पष्ट जवाब देना चाहिए।

उत्तराखंड के संदर्भ में पार्टी ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा निकाली गई मशाल रैली भी केवल दिखावटी कदम है। यदि सरकार वास्तव में महिला हितैषी है, तो उसे यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) की तर्ज पर उत्तराखंड में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण लागू कर राज्य को देश का पहला उदाहरण बनाना चाहिए। आम आदमी पार्टी ने भाजपा और कांग्रेस दोनों से सीधा सवाल किया है कि क्या वे 2027 के उत्तराखंड विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी की नीतियों के तहत 33 प्रतिशत महिलाओं को टिकट देंगी? पार्टी ने स्पष्ट किया कि इसके लिए किसी नए कानून या बिल की आवश्यकता नहीं है, यह केवल राजनीतिक इच्छाशक्ति का विषय है। पार्टी ने कहा कि यदि भाजपा और कांग्रेस सच में महिलाओं के सशक्तिकरण के पक्ष में हैं, तो उन्हें आगामी चुनावों में इसे लागू करके दिखाना चाहिए। केवल राष्ट्रीय टीवी पर दिखावा करना और जनता को भ्रमित करना अब स्वीकार्य नहीं है। आम आदमी पार्टी ने कहा कि जब देश का नेतृत्व झूठे नैरेटिव के माध्यम से जनता को प्रभावित करने की कोशिश करता है, तो यह लोकतंत्र और समाज दोनों के लिए खतरा बन जाता है। पार्टी ने ईमानदार मीडिया से अपील की कि वह सच्चाई को सामने लाए और जनता को जागरूक करे। आम आदमी पार्टी ने उत्तराखंड की जनता से अपील की कि वे झूठे वादों और दिखावे की राजनीति को समझें और सच्चाई के साथ खड़े हों। पत्रकार वार्ता में मुख्य रूप से उमा सिसोदिया, सुधा पटवाल, यामिनी आले, दीप्ति, शरद जैन, हरि सिमरन, संजय क्षेत्री, वीर सिंह, विपिन खन्ना, जितेंद्र पंत, श्याम बाबू, देवेंद्र कौटिल्य, डी.के. पाल आदि उपस्थित रहे।

वीकेंड पर ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त रखने को पुलिस मुस्तैद

हमारे संवाददाता

नैनीताल। वीकेंड (शनिवार एवं रविवार) के दौरान बढ़ते पर्यटक आवागमन एवं यातायात दबाव को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस प्रशासन ने जनपद में विशेष ट्रैफिक मैनेजमेंट व्यवस्था लागू की गई है।

इसी क्रम में पुलिस द्वारा प्रमुख मार्गों, चौराहों एवं संवेदनशील स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। यातायात को सुचारू एवं सुरक्षित बनाए रखने हेतु सड़कों पर पुलिस कर्मियों की सक्रिय ड्यूटी लगाई गई है, जिससे जाम की स्थिति न बने एवं आमजन/पर्यटकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। पुलिस द्वारा लगातार पेट्रोलिंग की जा रही है तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्यवाही भी सुनिश्चित की जा रही है। इसके साथ ही पार्किंग व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने एवं यातायात को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी लागू किए गए हैं। पुलिस सभी वाहन चालकों से अपील करती है कि यातायात नियमों का पालन करें, निर्धारित पार्किंग स्थलों का ही उपयोग करें एवं पुलिस प्रशासन का सहयोग करें, ताकि सभी के लिए सुरक्षित एवं सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।

उखड़ी सड़क पर बिछी गिट्टियां ले रहीं राहगीरों की परीक्षा

नई टिहरी(आरएनएस)। जनपद मुख्यालय से सटे बोंगा-भैलूड़ा मोटर मार्ग पर चौड़ीकरण और डामरीकरण का कार्य करीब एक माह से बंद पड़ा है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना विभाग की ओर से सड़क का पुराना डामर उखाड़कर उसके नए डामरीकरण के लिए गिट्टियां व रोड़ियां बिछाकर छोड़ दिया गया है। इससे आए दिन दोपहिया वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। जल्द ही सड़क कार्य शुरू नहीं होता तो आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

बोंगा ग्राम पंचायत की वार्ड सदस्य अलका मिश्रा ने बताया कि पीएमजीएसवाई की ओर से गत एक वर्ष से पांच किमी लंबी बोंगा-भैलूड़ा रोड पर करीब चार करोड़ की लागत से चौड़ीकरण और डामरीकरण का कार्य किया जा रहा है लेकिन कहीं पर भी मानकों के अनुरूप चौड़ीकरण कार्य नहीं हुआ तो डामरीकरण के लिए सड़क पर पुराना डामर उठाकर वहां पर जी टू और जी थ्री का कार्य अधर में छोड़ दिया है। सड़क पर पड़ी रोड़ियों और गिट्टियों को रोलर से दबाने की बजाय वैसी छोड़ दिया गया है। करीब एक माह से कार्य बंद होने के कारण वहां पर इन रोड़ियों के बीच से आवाजाही करने में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हर दिन दोपहिया वाहन चालक गिरकर चोटिल हो रहे हैं। कई बार विभागीय अधिकारियों से शिकायत की गई लेकिन उनकी ओर से किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर जल्द ही सड़क की स्थिति नहीं सुधारी जाती है तो उन्हें आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

बेस अस्पताल में खुलेगा क्लीनिकल और हेल्थ केयर रिसर्च सेंटर

श्रीनगर गढ़वाल(आरएनएस)। राजकीय मेडिकल कॉलेज के बेस अस्पताल में संयुक्त राज्य अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ़ मेम्फिस के डीन, पब्लिक हेल्थ विशेषज्ञ डॉ. आशीष जोशी के प्रयासों से जल्द क्लीनिकल और हेल्थ केयर रिसर्च सेंटर खोला जाएगा। सब कुछ ठीक ठाक रहा तो यह रिसर्च सेंटर गढ़वाल के चार जिलों के लोगों और चारधाम यात्रा पर आने वाले यात्रियों के स्वास्थ्य और अवेयरनेस को लेकर काम करेगा। बेस अस्पताल के सभागार में मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आशुतोष सयाना की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में डॉ. आशीष जोशी ने कहा कि गढ़वाल क्षेत्र में कैसे रिसर्च के जरिये स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार हो सकता है इसके लिए क्लीनिकल और हेल्थ केयर रिसर्च सेंटर खोले जाने का निर्णय लिया गया है। यह मेडिकल कॉलेज के लिए उपलब्धि होने के साथ ही चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में नया आयाम होगा। फैकल्टी, पीजी करने वाले हों चाहे यूजी करने वाले छात्र इसमें प्रतिभाग कर अपनी शोध की क्षमता को बढ़ा सकते हैं। बेस अस्पताल एमबीबीएस पढ़ाई के साथ शोध की एक प्रयोगशाला के रूप में उभर सकता है। क्षेत्र के गांवों में मेडिकल कैंप लगाकर लोगों की स्क्रीनिंग सहित तमाम पहलुओं पर काम होगा।

10 हेक्टेयर भूमि के लिए मंडुवा के बीज बांटे

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन योजना के तहत कृषि विभाग रुद्रप्रयाग के न्याय पंचायत पाजना के कुनियाली गांव में बृहस्पतिवार को 10 हेक्टेयर भूमि के लिए मंडुवा के बीज निशुल्क दिए गए। पहाड़ में मोटा अनाज पारंपरिक रूप से निरंतर उगाया जाता रहा है लेकिन पारंपरिक बीज की बुवाई के कारण उत्पादन की मात्रा बहुत कम हो गई। अब विवेकानंद पर्वतीय अनुसंधान केंद्र की ओर से तैयार बीज वीएल 379 प्रजाति को किसानों को बांटा गया है। इसकी उत्पादन क्षमता प्रति हेक्टेयर 20 से 25 क्विंटल है। किसानों ने कहा कि सरकार ने मोटे अनाज मंडुवा का समर्थन मूल्य करीब 49 रुपये घोषित किया है और स्थानीय सहकारी समितियां इस मंडुवा की खरीद कर रही है। इस अवसर कृषि विभाग के कर्मचारी कुलदीप सिंह ने मंडुवा की फसल की पैदावार को बढ़ाने के उपाय भी बताए।

खस्ताहाल स्यांयू-भैंगा-चौंधार मार्ग के सुधार को मिली मंजूरी

नई टिहरी(आरएनएस)। लंबे इंतजार के बाद खस्ताहाल स्यांयू-भैंगा-चौंधार मोटर मार्ग पर पैचवर्क कार्य के लिए वित्तीय स्वीकृति मिल गई। लोनिवि उक्त सड़क पर एक से लेकर 10 किमी तक पैचवर्क कार्य करेगा। 10 लाख से सड़क पर मरम्मत कार्य किया जाना है। पैचवर्क कार्य होने से स्थानीय लोगों को सुगम यातायात की सुविधा मिलने की उम्मीद जगी है। स्यांयू-भैंगा-चौंधार सड़क प्रतापनगर ब्लॉक के दर्जनों को जोड़ने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग है। पिछले दो सालों से यह सड़क जर्जर बनी है।

डामरीकरण उखड़ जाने से जगह-जगह गड्ढे बने हुए है। कुछ जगहों पर सड़क की सुरक्षा दीवार भी क्षतिग्रस्त है जिससे लोगों को जोखिमभरा सफर करने को मजबूर होना पड़ रहा था। स्थानीय लोग लंबे समय से सड़क मरम्मत की मांग करते आ रहे थे। पैचवर्क करने के लिए लोनिवि के अधिकारियों पर दबाव बनाए थे। अब जाकर स्यांयू-भैंगा-चौंधार मोटर मार्ग पर किमी एक से लेकर 10 के बीच पेचवर्क करने की स्वीकृति मिल गई है। लोनिवि के ईई योगेश कुमार ने बताया कि उक्त सड़क पर पेचवर्क कार्य करने के लिए 10 लाख की स्वीकृति मिल चुकी है। टेंडर की प्रक्रिया पूरी कर मई अंतिम सप्ताह में कार्य शुरू किया जाएगा।

राष्ट्रीय राजमार्ग 309 के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश,3 सप्ताह में मुआवजा भुगतान सुनिश्चित करने का आदेश

बागेश्वर(आरएनएस)। जिले में अवसंरचनात्मक विकास को गति प्रदान करने की दिशा में जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने कलेक्ट्रेट सभागार में राष्ट्रीय राजमार्ग 309 के दो लेन चौड़ीकरण कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। बैठक के दौरान किलोमीटर 80 से 169 तक संचालित कार्यों की स्थिति का सूक्ष्म मूल्यांकन करते हुए उन्होंने भूमि अधिग्रहण, प्रतिकर वितरण तथा वन भूमि हस्तांतरण जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर संबंधित अधिकारियों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया कि समस्त निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा के अंतर्गत तथा उच्च गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पूर्ण किए जाएं। साथ ही तहसीलदार कांडा को निर्देश दिए गए कि बागेश्वर से कांडा मार्ग पर सरकारी भूमि में निवासरत व्यक्तियों का एक सप्ताह के भीतर प्राथमिकता के आधार पर सत्यापन सुनिश्चित किया जाए, जिससे परियोजना के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।

उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी पात्र प्रभावितों को शासनादेश के अनुरूप तीन सप्ताह के भीतर प्रतिकर (मुआवजा) का भुगतान हर स्थिति में सुनिश्चित किया जाए। जिन प्रभावितों को प्रतिकर राशि वितरित की जा चुकी है, उनके प्रकरणों में गठित समिति के साथ समन्वय स्थापित करते हुए शीघ्र ध्वस्तीकरण की कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए। इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को जल संस्थान, जल निगम, यूपीसीएल एवं बीएसएनएल के साथ समन्वय स्थापित कर कार्यों को संचालित करने के निर्देश दिए, ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा अथवा क्षति का सामना न करना पड़े।

बैठक में अधिशासी अभियंता अशोक कुमार ने अवगत कराया कि बागेश्वर से कनालीगाड़छीना तक 32 किलोमीटर सड़क चौड़ीकरण कार्य में से 17 किलोमीटर क्षेत्र में कटिंग कार्य पूर्ण कर लिया गया है। इसके अतिरिक्त बागेश्वर से कांडा तक 16 किलोमीटर क्षेत्र में वृक्षों की कटिंग का कार्य भी संपन्न हो चुका है। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी एन.एस. नबियाल, उप जिलाधिकारी प्रियंका रानी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कफड़खान क्षेत्र में जंगल की आग पर पाया काबू

अल्मोड़ा(आरएनएस)। ताकुला रोड स्थित कपड़खान क्षेत्र के पास जंगल में लगी आग पर अग्निशमन विभाग की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद काबू पा लिया। आग तेजी से आबादी वाले क्षेत्र की ओर बढ़ रही थी, जिससे खतरे की स्थिति बन गई थी। अग्निशमन केंद्र अल्मोड़ा को सोमवार शाम करीब 5:01 बजे जंगल में आग लगने की सूचना मिली। इसके बाद फायर यूनिट तत्काल वाहन लेकर मौके के लिए रवाना हुई।

घटनास्थल पर पहुंचने पर टीम ने पाया कि आग कपड़खान के पास जंगल में फैली हुई है और तेजी से आगे बढ़ रही है। फायर सर्विस टीम ने वाहन के पंप से पानी की आपूर्ति कर होजरील की सहायता से आग बुझाने का कार्य शुरू किया।

काफी प्रयास के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया और उसे आगे फैलने से रोक दिया गया। अग्निशमन कार्य पूरा होने के बाद टीम ने वाहन में जल संस्थान से पानी भरवाया और वापस फायर स्टेशन लौट गई। राहत एवं अग्निशमन कार्य में एलएफएम किशन सिंह, एफएस चालक हरीश रावत और फायरमैन प्रियांशु कुमार शामिल रहे।

छात्र-छात्राओं के मनोहारी स्वागत नृत्य ने मनमोहा

ऋषिकेश(आरएनएस)। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय रायवाला में वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि नामित अध्यक्ष कर्नल अक्षय अश्विनी के रंगारंग कलर पार्टी और मनोहारी स्वागत नृत्य से हुआ। एजुकेशन ऑफिसर तुषार रावत और पूर्व प्राचार्य डॉ. इंद्रजीत सिंह का भी स्वागत किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्या रीता इंद्रजीत सिंह ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जिसमें बीते वर्ष की उपलब्धियों, शैक्षणिक उत्कृष्टता और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का विस्तृत विवरण बताया। मुख्य आकर्षण धरोहर विषय पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुति रही। नृत्य-नाटिका के माध्यम से भारतीय इतिहास की गौरवशाली यात्रा को जीवंत किया गया। विद्यार्थियों की प्रतिभा, सृजनात्मकता और मंच संचालन ने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पुरस्कार वितरण समारोह में बोर्ड मेरिट, शैक्षणिक उत्कृष्टता, खेल, सांस्कृतिक व अन्य श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। डॉ. तानिया शर्मा ने विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए। मुख्य अतिथि ने शिक्षकों को डिस्टिंग्विश्ड मेंटर अवॉर्ड से सम्मानित किया।

चौखुटिया में छात्र-छात्राओं को साइबर अपराध और नशे के प्रति किया जागरूक

अल्मोड़ा(आरएनएस)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोडके के निर्देशन में जिलेभर में चलाए जा रहे जनजागरूकता अभियान के तहत चौखुटिया पुलिस ने स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को साइबर अपराधों और नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई। पुलिस टीम ने राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोदी और राजकीय इंटर कॉलेज मासी में कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान छात्र-छात्राओं और विद्यालय स्टॉफ को जागरूकता पम्पलेट वितरित किए गए। पुलिस टीम ने विद्यार्थियों को बताया कि नशा स्वास्थ्य के साथ-साथ भविष्य के लिए भी नुकसानदायक है। इसके अलावा डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल और सोशल मीडिया के दुरुपयोग जैसे साइबर अपराधों से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को अनजान लिंक और कॉल से सतर्क रहने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को देने के लिए प्रेरित किया गया।

सरकार ने वेतन बढ़ाकर श्रमिकों के हित में लिया फैसला: सिन्हा

रुद्रपुर(आरएनएस)। सिडकुल क्षेत्र के सभी उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों को अप्रैल माह से शासन द्वारा निर्धारित बढ़ा हुआ वेतन दिया जाएगा।

यह जानकारी सिडकुल इंटरप्रेन्योर वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने रामपुर रोड स्थित एक होटल में प्रेसवार्ता के जरिये दी। एसोसिएशन के अध्यक्ष श्रीकर सिन्हा ने बताया कि श्रमिकों की लंबे समय से लंबित वेतन वृद्धि की मांग को लेकर श्रम विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विस्तृत वार्ता हुई थी। इसके बाद जिलाधिकारी ने शासन से पत्राचार किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने श्रमिक हित में शीघ्र निर्णय लेते हुए प्रस्ताव को मंजूरी के लिए राज्यपाल को भेजा, जहां से स्वीकृति मिलने के बाद शासनादेश लागू कर दिया गया।

संरक्षक अजय तिवारी ने कहा कि सिडकुल पंतनगर में शांति बनाए रखना सभी की प्राथमिकता है, लेकिन कुछ बाहरी तत्व माहौल खराब करने की कोशिश करते हैं, जिनसे पुलिस सख्ती से निपट रही है। उन्होंने कहा कि अप्रैल से सभी उद्योगों में वेतन वृद्धि लागू कर दी जाएगी, हालांकि इससे उद्योगों पर आर्थिक दबाव भी बढ़ेगा। महासचिव गौरव हरीश ने कहा कि खाड़ी युद्ध, घटते निर्यात ऑर्डर, पेट्रोलियम और बिजली दरों में वृद्धि के कारण उद्योग पहले से ही कई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। ऐसे में सरकार को उद्योगों को दी जा रही सुविधाओं और रियायतों में बढ़ोतरी करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि यदि श्रमिकों को भड़काने के लिए कोई अफवाह फैलाई जाती है तो उसे रोकने में मीडिया का सहयोग भी जरूरी है। साथ ही श्रमिकों से कार्य के दौरान सतर्कता बरतने की अपील करते हुए कहा कि अधिकांश औद्योगिक दुर्घटनाएं मानवीय भूल के कारण होती हैं। इस दौरान वरिष्ठ उपाध्यक्ष संतोष, सचिव गजेंद्र सिंह, मीडिया प्रभारी तेजराम बघेल, विशाल गर्ग, विजय नकवी सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

कॉट्न बड्स से कानों को साफ करना हम सेफ मानते हैं, जान लीजिए इससे होने वाले नुकसान

कान हो या नाक।।। पानी, हवा, धूल मिट्टी से गंदगी जमने लगती है। कानों में जमा होने वाली गंदगी को ईयरवैक्स कहते हैं। कई लोग आज भी माचिस की तीली का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन कुछ लोग कॉट्न ईयर बड्स का इस्तेमाल करते हैं। जब भी आप कान साफ करने के लिए तीली या लकड़ी का इस्तेमाल करते होंगे तो घर में कहा जाता है कि अरे कान का चादर फट जाएगा कॉट्न ईयर बड्स सेफ होता है उससे करना ठीक रहेगा। लेकिन आज अपने आर्टिकल के जरिए बताएंगे क्या कॉट्न बड्स वाकई में कान के लिए सेफ है। क्या इसके इस्तेमाल से कान सही में साफ हो जाता है। खासकर शहर में लोग कॉट्न बड्स का इस्तेमाल करते हैं। आइए जानते हैं इससे होने वाले नुकसान के बारे में।।।

कॉट्न बड्स से होते हैं ये नुकसान

डॉक्टर के मुताबिक कॉट्न बड्स से कान साफ करना ठीक नहीं होता है। कॉट्न बड्स को जब कान के अंदर डालते हैं तो वह गंदगी को बाहर निकालने के बजाय पीछे की तरफ धकेल देता है। जिससे कान में इंफेक्शन का रिस्क बढ़ जाता है। साथ ही साथ इससे कान जख्मी भी हो सकता है। कॉट्न बड्स से कान के अंदर की परत को भी नुकसान पहुंच सकता है। इससे आपकी सुनने की क्षमता को भी नुकसान पहुंच सकता है।

ईयर कैनाल में चली जाती है गंदगी

कान में ईयरवैक्स बनते हैं। यह एक तरह से कानों को प्रोटेक्ट भी करता है। लेकिन अगर यह जरूरत से ज्यादा बन जाए तो कानों को नुकसान भी पहुंचाता है। लोग कॉट्न बड्स से कान तो साफ कर लेते हैं लेकिन इसमें मौजूद गंदगी ईयर कैनाल के अंदर चली जाती है। जिसके कारण बैक्टीरिया का कान के अंदर जाने का रिस्क रहता है। यह बैक्टीरिया इतने ज्यादा खतरनाक होते हैं कि इससे कान के पर्दे को खतरनाक नुकसान भी होने लगता है। शुरुआत में कान के अंदर बैक्टीरिया या गंदगी चला जाता है तो शुरुआत में पता नहीं चलता है और खुजली होने लगता है। ऐसे में गंदगी बढने लगती है। जो कान के अंदर कई खतरनाक बीमारी कर सकती है। ऐसी स्थिति में कॉट्न बड्स का इस्तेमाल करने से बचना चाहिए। खासकर बच्चे और बुजुर्गों को तो भूल से कॉट्न बड्स का इस्तेमाल कान पर नहीं करना चाहिए।

खुद ही निकल जाता है कान का मैल

भगवान ने इंसान का शरीर ऐसा बनाया है जो एक टाइम के बाद खुद साफ हो जाता है। ऐसा ही कुछ मामला कान के साथ है। अगर आप उसे छोड़ देंगे तो वह खुद-ब- खुद साफ हो जाता है। एक टाइम के बाद इसमें होने वाले वैक्स खुद निकल जाते हैं। ऐसा एकदम जरूरी नहीं है कि आप हर रोज कान साफ करें।

कैसे करें कान की सफाई

कान की सबसे अच्छी सफाई है इसमें सबसे पहले तेल डालें। बेबी ऑयल बेहतर होता है। कान में तेल डालने से जो भी गंदगी होती है वह बाहर की तरफ आ जाती है, जिसे आप किसी भी कपड़े की मदद से आसानी से साफ कर सकते हैं। जरूरी नहीं है कि आप नहाते वक्त कान की साफ जरूर करें। क्योंकि नहाते वक्त कान में पानी चला जाता है।

प्रेशर कुकर में भूलकर भी नहीं पकानी चाहिए ये चीजें, वरना बेकार चली जाएगी सारी मेहनत

प्रेशर कुकर रसोई की सबसे जरूरी चीज है। भारत में शायद ही ऐसी कोई रसोई होगी, जहां प्रेशर कुकर का इस्तेमाल ना किया जाता हो। प्रेशर कुकर का ज्यादा इस्तेमाल करने के पीछे एक वजह यह भी है कि इसमें खाना जल्दी और स्वादिष्ट बनता है। हालांकि ऐसा जरूरी नहीं है कि हर चीज को बनाने के लिए प्रेशर कुकर का इस्तेमाल किया जाए। कुछ खाद्य पदार्थ ऐसे भी होते हैं, जिन्हें कुकर में नहीं बनाना चाहिए। यहां हम उन्हीं खाद्य पदार्थों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें आपको कुकर में बनाने से बचना चाहिए।

डेयरी प्रोडक्ट: डेयरी प्रोडक्ट जैसे दूध, दही या क्रीम आदि से जुड़े पकवानों को प्रेशर कुकर में नहीं बनाना चाहिए। क्योंकि कुकर में ज्यादा हीट की वजह से डेयरी प्रोडक्ट फट सकता है और खराब हो सकता है।

फ्राइड फूड: प्रेशर कुकर में तली हुई चीजें भी नहीं बनानी चाहिए। क्योंकि ज्यादा हीट और गर्म तेल के कारण खाना बिखर सकता है और जलने से जुड़ी घटनाएं हो सकती हैं।

पास्ता और नूडल्स: पास्ता और नूडल्स जैसे फूड आइटम्स को बनाने के लिए भी कुकर का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। क्योंकि ये गिलगिले बन सकते हैं, जो खाने में स्वादिष्ट नहीं लगेंगे।

जल्दी पकने वाली सब्जियां: जिन सब्जियों को पकाने में ज्यादा वक्त नहीं लगता या जो सब्जियां कम समय में बन जाती हैं, उन्हें कुकर में बनाने की गलती नहीं करनी चाहिए। इन सब्जियों में हरी पत्तेदार सब्जियां, मुलायम प्रकृति वाली सब्जियां शामिल हैं। कुकर में इन सब्जियों को बनाने से ये ज्यादा पक सकती हैं और अपना पोषण मूल्य और असली रंग खो सकती हैं।

केक और बेक: कई लोग केक और कुकीज आदि जैसे बेक्ड फूड बनाने के लिए आमतौर पर प्रेशर कुकर का इस्तेमाल करते हैं। जबकि इन्हें बनाने के लिए कुकर बिल्कुल भी सही ऑप्शन नहीं है। कुकर को केक या कुकीज बेकिंग के लिए नहीं बनाया गया है। अगर आप फिर भी इसमें बनाते हैं तो आपको उतना स्वादिष्ट केक नहीं मिल पाएगा, जितना कि मिलना चाहिए था।

पहाड़ के गांव की सरहद पर 'अदृष्य प्रहरी'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। गांव में स्थित किसी पुराने पेड़ के नीचे, पत्थरों से बना एक छोटा सा मंदिर, जहां लोहे के त्रिशूल, घंटियां और पत्थर की मूर्तियां क्षेत्रपाल देवता के मंदिर में होती हैं। पहाड़ के हर गांव की सरहद पर एक ऐसा रक्षक देवता विराजमान होता है। यह देवता सिर्फ पूजा के प्रतीक नहीं, बल्कि क्षेत्र के रक्षक, मार्गदर्शक और न्याय के प्रतीक माने जाते हैं।

पहाड़ की परंपरा के अनुसार हर गांव की अपनी एक निश्चित सीमा होती है। इस सीमा की रक्षा का उत्तरदायित्व क्षेत्र रक्षक देवता का होता है। मान्यता है कि जब गांव के लोग सो जाते हैं, तब देवता अपने दिव्य घोड़े पर सवार होकर हाथ में मशाल लेकर गांव की सरहदों का चक्कर लगाते हैं और हिंसक पशुओं व बुरी आत्माओं से गांव की रक्षा करते हैं। गांव में कोई भी शुभ कार्य होकृचाहे शादी-ब्याह हो, जनेऊ संस्कार हो या नई फसल की कटाईकृसबसे पहले क्षेत्रपाल को याद किया जाता है।

क्षेत्रपाल देवताओं के मंदिर आलीशान नहीं होते। अक्सर किसी विशाल पीपल या बांज के पेड़ के नीचे, पत्थरों से बना एक छोटा सा थान होता है। वहां लोहे के त्रिशूल, घंटियां और पत्थर की मूर्तियां स्थापित होती हैं। यह सादगी इस बात का प्रतीक है कि देवता प्रकृति के कितने करीब हैं और हर ग्रामीण के लिए सुलभ हैं। पहाड़ के लोग कानून से ज्यादा अपने ग्राम देवता और क्षेत्रपाल से डरते हैं। यह विश्वास गांव में अनुशासन और नैतिकता बनाए रखने का काम करता है। ऐसी मान्यता है कि यदि गांव में कोई चोरी होती है या आपसी विवाद सुलझ नहीं पाता, तो क्षेत्रपाल के थान पर न्याय की गुहार लगाई जाती है।

❑देवभूमि उत्तराखंड के कण-कण में माना जाता है देवताओं का वास
❑यहाँ की सबसे अनूठी परंपरा है क्षेत्रपाल या भूमिपाल की अवधारणा
❑पहाड़ के हर गांव में क्षेत्र रक्षक के रूप में करते हैं क्षेत्रपाल देवता वास

आधुनिक युग में भी पहाड़ की यह परंपरा अटूट है। यह विज्ञान के लिए कौतूहल हो सकता है, लेकिन एक पहाड़ी के लिए यह उसकी आस्था और पहचान है। यह क्षेत्र रक्षक देवता केवल पत्थर की मूर्तियां नहीं, बल्कि हिमालयी संस्कृति के वह प्रहरी हैं, जिन्होंने सदियों से इन दुर्गम गांवों को जीवंत बनाए रखा है। आज भले ही युवा रोजगार के लिए शहरों की ओर पलायन कर रहे हों, लेकिन अपने गांव और क्षेत्र देवता के प्रति उनकी आस्था आज भी कायम है।

पुलिस की तत्परता बनी जीवन रक्षक, सड़क हादसे में फंसे चालक को सुरक्षित निकाला

संवाददाता

टिहरी। पिकअप-लोडर की टक्कर में वाहन में फंसे चालक को पुलिस ने सुरक्षित बाहर निकाल अस्पताल पहुंचाया।

आज यहां थाना देवप्रयाग पर डायल 112 के माध्यम से प्रातः लगभग 03:45 बजे सूचना प्राप्त हुई कि देवप्रयाग से कीर्तिनगर की ओर एक बलकर (सीमेंट टैंकर) एवं पिकअप वाहन के बीच सड़क दुर्घटना हो गई है, जिसमें पिकअप चालक वाहन के अंदर फंसा हुआ है। उक्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए चौकी भल्लेगांव से योगेंद्र शर्मा, हेड कांस्टेबल देवेंद्र सिंह एवं होमगार्ड रमेश तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे एवं रेस्क्यू कार्य प्रारंभ किया। घटनास्थल पर वाहन महिंद्रा पिकअप आगे से बुरी तरह क्षतिग्रस्त अवस्था में मोड़ पर खड़ी थी, जबकि वाहन सीमेंट टैंकर कुछ दूरी पर ऋषिकेश की ओर खड़ा मिला। पिकअप चालक वकील पुत्र मोहम्मद उमर निवासी डढेरा फाटक, रुड़की (जनपद हरिद्वार), वाहन के अंदर बुरी तरह फंसा हुआ था। पुलिस टीम द्वारा सूझबूझ एवं साहस का परिचय देते हुए अन्य वाहन की सहायता से पिकअप की खिड़की को खींचकर चालक को सुरक्षित बाहर निकाला गया। घायल चालक को तत्काल प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराते हुए उसके साथी अजर के साथ 112 एम्बुलेंस के माध्यम से राजकीय चिकित्सालय श्रीनगर (जनपद पौड़ी गढ़वाल) उपचार हेतु भेजा गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, महिंद्रा पिकअप सब्जियां लेकर ज्वालापुर से गुप्तकाशी की ओर जा रही थी, जबकि बलकर कर्णप्रयाग से ऋषिकेश की ओर आ रहा था। टिहरी पुलिस की त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई के चलते एक व्यक्ति की जान बचाई जा सकी। स्थानीय नागरिकों द्वारा भी पुलिस टीम के इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा की गई है।

शब्द सामर्थ्य -019

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे

1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुप्तबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नज़दीक, समीप 21. सुबह, प्रातः, सबेरा।

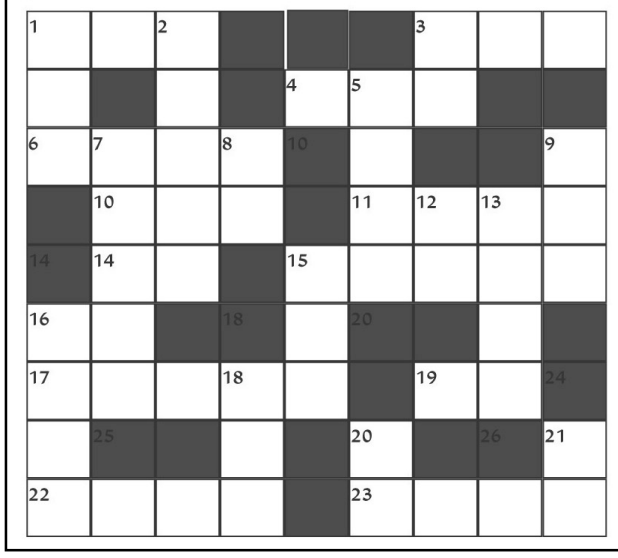

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 18 का हल

अ	भि	षे	क	■	प	स	■	■
जा	त	■	थ	प	थ	पा	ना	■
य	र	का	नी	■	भ्र	■	र	श्मि
ब	घा	र	■	क	ष्ट	प्र	द	■
■	त	ना	त	नी	■	र्व	■	ब
अ	■	मा	■	ज	मा	त	■	ल
स	जा	■	■	■	■	क	ज	रा
बा	■	बे	स	हा	रा	■	ग	म
ब	गु	ला	■	रा	ज	दू	त	■

रामचरण की पेड्डी हुई पोस्टपोन, अब जून में बॉक्स ऑफिस पर होगा धमाल

राम चरण की पेड्डी को लेकर फैंस में काफी क्रेज है. पेड्डी 2026 की मच अवेटेड फिल्मों में से एक बनकर उभरी है. इसमें ग्लोबल स्टार राम चरण लीड रोल निभाएंगे. फिल्म में जाह्नवी कपूर और जगपति बाबू भी अहम किरदारों में नजर आएंगे. जब से इस प्रोजेक्ट का ऐलान हुआ है, फैंस के साथ-साथ इंडस्ट्री में भी इसे लेकर काफी चर्चा है. हाल ही में पेड्डी पहलवान को रिलीज किया गया था, जिसमें राम चरण का एक बिल्कुल अलग अवतार देखने को मिला. उनके इस लुक को जबरदस्त प्यार मिला.

फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट लगातार बढ़ रही है. लेकिन फिल्म का कुछ काम अभी पेंडिंग है. शानदार थिएट्रिकल एक्सपीरियंस देने के लिए मेकर्स ने टेक्नीशियन और पोस्ट-प्रोडक्शन टीम को थोड़ा और समय देने का फैसला किया है. इसी कारण से रिलीज की तारीख को आगे बढ़ा दिया गया है. पहले ये फिल्म 30 अप्रैल को रिलीज होनी थी. अब फिल्म जून में रिलीज होगी.

अब मेकर्स ने रिलीज डेट टालने की घोषणा की. उन्होंने लिखा, हम अपने फैंस को सबसे बेहतरीन अनुभव देना चाहते हैं. पेड्डी जून में सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है.

पेड्डी के पहले टीजर ने ही इंटरनेट पर तहलका मचा दिया था. इसने फिल्म की दमदार कहानी की एक झलक दी. फैंस बीच जबरदस्त माहौल बना दिया. चिकिरी चिकिरी और राय राय रा रा जैसे गाने हों या फिर फिल्म के पोस्टर्स, सबने कमाल कर दिया है. पेड्डी के पहले सिंगल चिकिरी चिकिरी ने रिलीज होते ही काफी हलचल पैदा कर दी थी. लोगों को इसका फ्रेश वाइब और ए.आर. रहमान का वो खास अंदाज़ बहुत पसंद आया. ये गाना तुरंत लोगों से कनेक्ट हो गया और सभी प्लेटफॉर्म्स पर 200 मिलियन से ज्यादा व्यूज पार कर चुका है. फिल्म के म्यूज़िक को लेकर बढ़ते क्रेज को साफ दिखाता है.

संयुक्ता मेनन ने पूरी की द ब्लैक गोल्ड की शूटिंग, टीम के लिए लिखा इमोशनल नोट

दक्षिण भारतीय सिनेमा की लोकप्रिय और प्रतिभाशाली अभिनेत्री संयुक्ता मेनन बेहतरीन परफॉर्मेंस से इंडस्ट्री में अपनी एक मजबूत पहचान रखती हैं। गुरुवार को अभिनेत्री ने एक्शन थ्रिलर फिल्म द ब्लैक गोल्ड की शूटिंग का आखिरी शेड्यूल पूरा कर लिया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर शूटिंग के आखिरी शेड्यूल की तस्वीरें पोस्ट कीं। इसके साथ उन्होंने एक नोट शेयर कर पूरी टीम का शुक्रिया अदा किया। अभिनेत्री ने लिखा, सिनेमा कभी भी किसी एक व्यक्ति का सफर नहीं होता। बल्कि, यह कई विभागों में काम करने वाले अनगिनत लोगों के हाथों, दिलों और मेहनत का साथ होता है। सब एक ही लक्ष्य की ओर बढ़ते हैं। हमने जो कुछ भी यहां बनाया है, वह इसी टीम भावना का नतीजा है। मैं इस पूरी टीम के प्रति बहुत आभारी हूं।

संयुक्ता ने फिल्म के निर्देशक योगी को खास तौर धन्यवाद दिया। अभिनेत्री ने लिखा, योगी सर, हर चीज के लिए आपका शुक्रिया। आपका भरोसा और मार्गदर्शन मेरे लिए शब्दों से परे है।

उन्होंने मंचेरियल की कठिन परिस्थितियों का जिक्र करते हुए बताया कि शूटिंग के दौरान तेज धूप और गर्मी ने काफी परेशान किया। तापमान 40 से 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। फिर भी पूरी टीम ने हिम्मत नहीं हारी। मंचेरियल ने हमारी हर तरह से परीक्षा ली। सूरज की तपिश बहुत तेज थी, लेकिन हमारी टीम उससे भी ज्यादा मजबूत निकली। गर्मी, थकान और हर मुश्किल के बावजूज सब डटे रहे। पूरी ताकत, जुनून और एक लक्ष्य के साथ काम किया। ऐसा हौसला बहुत कम देखने को मिलता है। इस टीम का हिस्सा बनकर मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है।

अभिनेत्री ने फिल्म के हर सदस्य को धन्यवाद देते हुए लिखा, आप सबने नामुमकिन को मुमकिन बना दिया, जिसके लिए सभी का दिल से शुक्रिया। आप मेरी ताकत हो। जब मैं ऐसी मुश्किल शूटिंग करती हूं, तो मेरा शरीर थकान, डिहाइड्रेशन और सनबर्न महसूस करता है, लेकिन आपकी देखभाल, आपका साथ और आपकी मौजूदगी मुझे हर बार आगे बढ़ने की हिम्मत देती है।

अभिनेत्री ने सहायक सिनेमैटोग्राफर का भी खास जिक्र किया। उन्होंने लिखा, परधु, आप सचमुच भगवान का भेजा हुआ तोहफा हो, जिस तरह आपने सब कुछ संभाला है, उसके लिए दिल से शुक्रिया कहना काफी नहीं है। उन्होंने आगे कहा, मैं इस शेड्यूल से उसी एनर्जी के साथ वापस लौट रही हूं, शायद उससे भी ज्यादा। मैं हल्का-फुल्का और ज्यादा खुश महसूस कर रही हूं। सही समय पर सही लोगों के साथ होना सचमुच बहुत खूबसूरत एहसास है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

कॉकटेल 2' के लिए कृति सेनन ने कैसे घटाया अपना वजन?

शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना जल्द ही अपनी आने वाली फिल्म कॉकटेल 2' में नजर आने वाले हैं। ये फिल्म 2012 में आई कॉकटेल' का सीक्वल है। कॉकटेल 2' के क्लिप्स में कृति काफी फिट और बोल्ड नजर आ रही हैं। अब उन्होंने इसी को लेकर अपनी डाइट और रूटीन को लेकर खुलकर बात की।

कृति सेनन ने कहा, सच कहूं तो कॉकटेल' के दौरान ही ऐसा हुआ था जब मैं बहुत स्ट्रिक्ट डाइट और कंसिस्टेंट वर्कआउट रूटीन पर थी और पहली बार मैंने कैलोरी-डेफिसिट डाइट फॉलो की, जो मैंने पहले कभी अपनी जिंदगी में नहीं किया था।

हम इटली के सिसिली में शूट कर रहे थे और वहां खाने की बात करें तो ज्यादातर पिज्जा, पास्ता, पिज्जा वही सब होता है। और मैं बस सोचती रह जाती थी।'

कैलोरी-डेफिसिट डाइट का मतलब शरीर की नॉर्मल कैलोरी मात्रा से कम कैलोरी लेना। इसका मोटिव वजन घटाने के लिए शरीर में जमा फैट को एनर्जी के रूप में इस्तेमाल करने पर मजबूर करना होता है। इसमें आमतौर पर रोज के खाने में 500-1000 कैलोरी कम की जाती है, जिससे हर सप्ताह लगभग 1 किलो वजन कम हो सकता है।

हाल ही में जूम के पॉडकास्ट पर बातचीत के दौरान कृति ने कॉकटेल 2' को लेकर अपनी एक्साइटमेंट भी शेयर की और फैंस को आने वाली फिल्म की झलक दी। एक्ट्रेस ने कहा कि वह अपनी पिछली फिल्म के मुकाबले कुछ हल्का-फुल्का करना चाहती थीं।

उन्होंने कहा, कॉकटेल 2' बिल्कुल

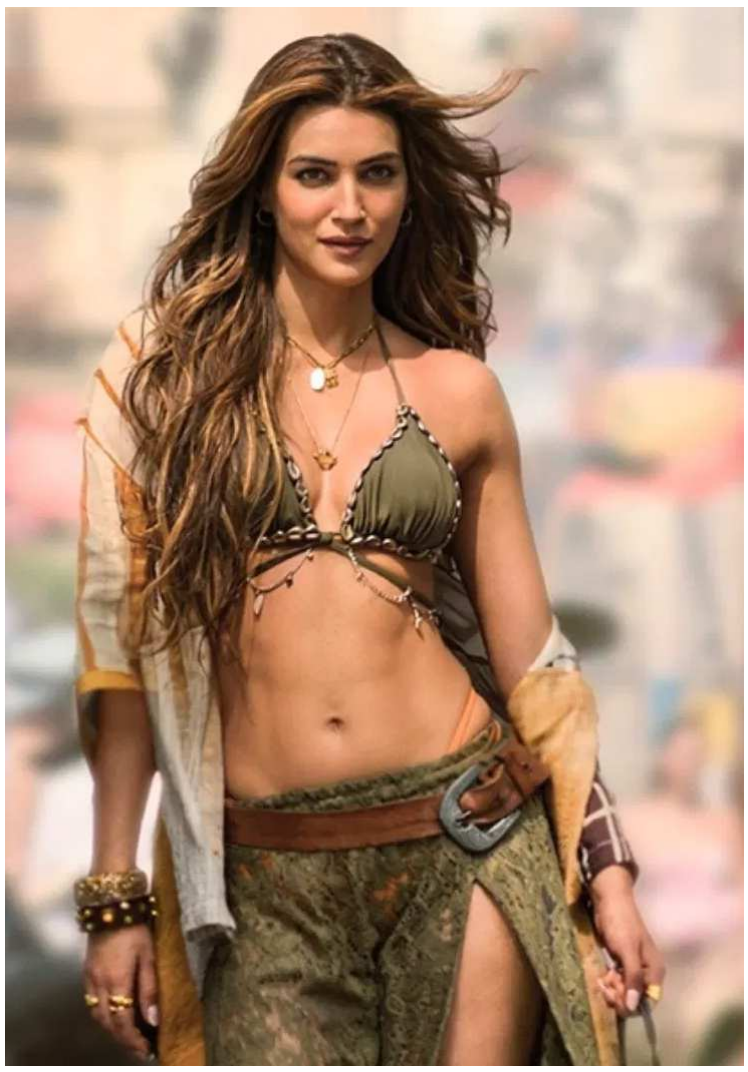

सही समय पर आई। मैं यही चाह रही थी। मैं एक यंग, अर्बन और फन से भरी रोम-कॉम स्पेस में जाना चाहती थी।' उन्होंने आगे कहा, हां, यह एक सीक्वल है, लेकिन मेरे हिसाब से यह एक वाइब' सीक्वल है। इसकी कहानी पूरी तरह अलग है, किरदार पूरी तरह अलग हैं, और उनकी बैकस्टोरी भी बिल्कुल अलग है।'

यह फिल्म 19 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। कॉकटेल 2 एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है। इसका निर्देशन होमी अदजानिया ने किया है। कॉकटेल 2 साल 2012 में आई फिल्म कॉकटेल का सीक्वल है। कॉकटेल 2 में शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना जैसे एक्टर लीड रोल में हैं।

गली सीरीज के लिए हंसिका मोटवानी ने की कड़ी मेहनत

फिल्म और वेब सीरीज की दुनिया में किसी किरदार को यादगार बनाने के लिए सिर्फ अच्छी एक्टिंग ही काफी नहीं होती, बल्कि उस किरदार का लुक, पहनावा और पूरा व्यक्तित्व भी उतना ही मायने रखता है। दर्शक तभी उस किरदार से जुड़ पाते हैं। इन्हीं सबको ध्यान में रखते हुए अभिनेत्री हंसिका मोटवानी ने भी अपनी आने वाली सीरीज गली की तैयारी की है। उन्होंने अपने किरदार के लिए किए गए ट्रांसफॉर्मेशन को लेकर खुलकर बात की। इस किरदार को खास बनाने के लिए हंसिका ने काफी मेहनत की। उन्होंने कहा, लैला का लुक तैयार करने में काफी मेहनत लगी। यह एक बार में तय नहीं हुआ, बल्कि इसके लिए कई बार ट्रायल किए गए। इस किरदार में कई अलग-अलग पहलू हैं, इसलिए उसका लुक भी उसी हिसाब से तैयार करना जरूरी था। लगभग 3 से 4 बार अलग-अलग टेस्ट करने के बाद फाइनल लुक तय किया गया। हंसिका ने कहा, लैला का स्वभाव और उसकी पर्सनैलिटी उसके लुक को तय करने में सबसे अहम भूमिका निभाते हैं। इस किरदार में एक खास नजाकत और तहजीब है, जिसे उसके कपड़ों और स्टाइल के जरिए दिखाना जरूरी था, इसलिए उसके पहनावे को काफी सोच-समझकर डिजाइन किया गया, ताकि वह किरदार के हर पहलू को सही तरीके से दर्शा सके। मेरा मानना है कि किसी भी किरदार की पहचान सिर्फ उसके डायलॉग से नहीं, बल्कि उसके पूरे लुक से बनती है।

उन्होंने आगे कहा, इस पूरे प्रोसेस में टीमवर्क बहुत जरूरी था। मैंने और सीरीज के डायरेक्टर ने मिलकर इस लुक पर काम किया। दोनों के पास अपने-अपने विचार थे। मैंने भी अपने सुझाव दिए और डायरेक्टर ने भी अपनी सोच साझा की, जिन्हें मिलाकर एक ऐसा लुक तैयार किया गया, जो किरदार के साथ पूरी तरह फिट बैठता है। हंसिका मोटवानी ने कहा, जब कोई कलाकार अपने किरदार को अंदर से समझ लेता है, तब उसका बाहरी रूप भी अपने आप सही दिशा में ढलने लगता है। यही वजह है कि मैंने लैला के किरदार को सिर्फ निभाने की कोशिश नहीं की, बल्कि उसे महसूस करने पर भी ध्यान दिया।

छात्र-छात्राओं के मनोहारी स्वागत नृत्य ने मनमोहा

ऋषिकेश(आरएनएस)। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय रायवाला में वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि नामित अध्यक्ष कर्नल अक्षय अश्विनी के रंगारंग कलर पार्टी और मनोहारी स्वागत नृत्य से हुआ। एजुकेशन ऑफिसर तुषार रावत और पूर्व प्राचार्य डॉ. इंद्रजीत सिंह का भी स्वागत किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्या रीता इंद्रजीत सिंह ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जिसमें बीते वर्ष की उपलब्धियों, शैक्षणिक उत्कृष्टता और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का विस्तृत विवरण बताया। मुख्य आकर्षण धरोहर विषय पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुति रही। नृत्य-नाटिका के माध्यम से भारतीय इतिहास की गौरवशाली यात्रा को जीवंत किया गया। विद्यार्थियों की प्रतिभा, सृजनात्मकता और मंच संचालन ने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पुरस्कार वितरण समारोह में बोर्ड मेरिट, शैक्षणिक उत्कृष्टता, खेल, सांस्कृतिक व अन्य श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। डॉ. तानिया शर्मा ने विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए। मुख्य अतिथि ने शिक्षकों को डिस्टिंग्विश्ड मेंटर अवॉर्ड से सम्मानित किया। इनमें डीपी थपलियाल, अल्का नेगी, ज्वाला प्रसाद सिंह, आशा नैथानी, तिलक राज धीमान, मनोज कुमार मलिक, रविंद्र कुमार, रेखा चौहान, रामचंद्र सिंह, माधवी तिवारी, प्रतिभा भंडारी और रमाया खान को उत्कृष्ट मार्गदर्शन के लिए नवाजा गया।

चौखुटिया में छात्र-छात्राओं को साइबर अपराध और नशे के प्रति किया जागरूक

अल्मोड़ा(आरएनएस)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोडके के निर्देशन में जिलेभर में चलाए जा रहे जनजागरूकता अभियान के तहत चौखुटिया पुलिस ने स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को साइबर अपराधों और नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई। पुलिस टीम ने राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोदी और राजकीय इंटर कॉलेज मासी में कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान छात्र-छात्राओं और विद्यालय स्टॉफ को जागरूकता पम्पलेट वितरित किए गए। पुलिस टीम ने विद्यार्थियों को बताया कि नशा स्वास्थ्य के साथ-साथ भविष्य के लिए भी नुकसानदायक है। इसके अलावा डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल और सोशल मीडिया के दुरुपयोग जैसे साइबर अपराधों से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को अनजान लिंक और कॉल से सतर्क रहने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को देने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही साइबर ठगी की स्थिति में हेल्पलाइन नंबर 1930 और मादक पदार्थों से संबंधित गोपनीय सूचना देने के लिए मानस हेल्पलाइन नंबर 1933 पर संपर्क करने की जानकारी भी दी गई।

सू- दोकू क्र.019

	8				1		5	
6			8			2		3
	3				2		1	
		3		9		5		4
5			3				9	
		4		2				6
4			2		3		6	
		6				8		7
	2	9	7		6			

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 18 का हल

5	3	9	7	4	8	6	2	1
2	1	6	5	9	3	4	7	6
4	7	8	1	6	2	3	5	9
3	6	1	8	5	9	2	4	7
8	5	2	3	7	4	1	9	6
7	9	4	2	1	6	8	3	5
6	4	7	9	2	1	5	6	3
1	8	5	4	3	7	9	6	2
9	2	3	6	8	5	7	1	4

ग्राम जुड़का में किसानों ने भरी हुंकार

काशीपुर(आरएनएस)। ग्राम जुड़का में आयोजित महापंचायत में ग्रामीणों ने पिछले 60 वर्षों से काबिज भूमि पर मालिकाना हक देने की मांग उठाई। इसके बाद वन विभाग की कार्रवाई के विरोध में ग्रामीणों ने गांव में ही अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है। साथ ही 'भूमि बचाओ संघर्ष समिति' का गठन कर आंदोलन को संगठित रूप देने का निर्णय लिया गया। रामनगर रेंज के जुड़का बीट स्थित गांधीनगर खत्ता क्षेत्र में वन विभाग द्वारा 58 हेक्टेयर भूमि पर प्लांटेशन प्रस्तावित है। न्यायालय के आदेश के बाद विभागीय टीम ने दिसंबर में भूमि को कब्जे में लेकर तारबाड़ कर दी थी। उस समय कुछ ग्रामीणों की गेहूं की फसल खड़ी थी, जिस पर उनके आग्रह पर विभाग ने फसल कटाई तक भूमि को यथावत छोड़ दिया था। बीते 28 अप्रैल को जब वन विभाग की टीम दोबारा प्लांटेशन के लिए मौके पर पहुंची, तो ग्रामीणों ने इसका विरोध करते हुए हंगामा शुरू कर दिया और धरने पर बैठ गए। टीम को बिना कार्रवाई किए वापस लौटना पड़ा। इसी मुद्दे को लेकर बुलाई गई महापंचायत में ग्रामीणों ने स्पष्ट कहा कि वे दशकों से इस भूमि पर खेती कर रहे हैं, इसलिए उन्हें यहां फसल बोने की अनुमति के साथ मालिकाना हक दिया जाना चाहिए। ग्रामीणों ने वन विभाग पर मनमानी और उत्पीड़न के आरोप लगाते हुए कहा कि बिना किसी पूर्व सूचना के विभागीय कर्मचारी कभी भी पहुंचकर तारबाड़ करने लगते हैं और ग्रामीणों को धमकाते हैं। ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि वन विभाग के पास न तो स्पष्ट नक्शा है और न ही ठोस दस्तावेज, जबकि विभाग को जंगल से सटी खाली भूमि पर ही कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि संबंधित भूमि राजस्व भूमि है, जिस पर उनका वर्षों से कब्जा है। महापंचायत में यह भी बताया गया कि ग्रामीणों ने मामले को लेकर हाईकोर्ट में रिट याचिका दाखिल की है, जिसकी पहली सुनवाई हुई। इसके बावजूद ग्रामीणों ने अपने हक के लिए आंदोलन जारी रखने का निर्णय लिया और अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। महापंचायत में विभिन्न गांवों के ग्राम प्रधानों सहित होशियार सिंह, धर्मपाल, पूरन सिंह, रानी, क्रांति, ममता, राम सिंह, जसवंत, अनिल कुमार, रोहित कुमार, आशा, बबीता, लक्ष्मी देवी, कमलेश, प्रेमवती, बादामी और सर्वेश समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

महापंचायत के दौरान ग्रामीणों ने 'भूमि बचाओ संघर्ष समिति, जुड़का' का गठन किया। इसमें संतोष कुमार को अध्यक्ष, सूरज प्रकाश को उपाध्यक्ष, बलवीर सिंह को कोषाध्यक्ष, संजय कुमार को सचिव तथा जोरावर को उपसचिव बनाया गया। इसके अलावा मोहन सिंह, रनवीर सिंह, मोनू, विपिन कुमार और सुरेंद्र सिंह को समिति का सदस्य नामित किया गया।

वीआईपी भ्रमण को लेकर जिलेभर में चला सघन चेकिंग अभियान

अल्मोड़ा(आरएनएस)। वीआईपी भ्रमण और पर्यटन सीजन को देखते हुए जिलेभर में पुलिस ने सघन चेकिंग अभियान चलाया।

इस दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर 99 वाहन चालकों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई, जबकि दो वाहनों को सीज किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोडके के निर्देश पर ऑपरेशन प्रहार के तहत सभी थाना और चौकी प्रभारियों को अपने क्षेत्रों में सतर्क निगरानी रखते हुए असामाजिक तत्वों और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में पुलिस टीमों ने विभिन्न स्थानों पर चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस ने प्रमुख चौराहों, बाजार क्षेत्रों, मुख्य मार्गों, जनपद प्रवेश मार्गों और संवेदनशील स्थानों पर वाहनों की जांच की। इस दौरान संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ भी की गई। बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, ओवरस्पीडिंग और दस्तावेजों में कमी पाए जाने पर वाहन चालकों के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। यातायात पुलिस ने अभियान के दौरान दो वाहनों को सीज किया।

पिंडारी ग्लेशियर का विशेषज्ञों ने किया पर्यावरणीय सर्वेक्षण

बागेश्वर(आरएनएस)। गोविंद बल्लभ पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान अल्मोड़ा के ईआईएसीपी केंद्र ने बागेश्वर जिले में स्थित पिंडारी ग्लेशियर क्षेत्र का पर्यावरणीय सर्वेक्षण किया है। इसका उद्देश्य ग्लेशियर के पीछे खिसकने, भू-क्षरण और जैव विविधता पर पड़ रहे प्रभावों का आकलन करना है।

सर्वेक्षण दल में डॉ. महेशानंद, डॉ. रविंद्र जोशी, इंजीनियर कमल टम्टा, हेम तिवारी और मनीष शामिल रहे। सर्वेक्षण के दौरान स्थानीय लोगों ने बताया कि पिछले कई दशकों से ग्लेशियर लगातार पीछे खिसक रहा है, जो जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय असंतुलन का संकेत है।

पिंडारी ग्लेशियर से निकलने वाली पिंडर कुमाऊं और गढ़वाल को जोड़ने वाली प्रमुख नदी है, जिसका संगम कर्णप्रयाग में अलकनंदा से होता है। यह गंगा की प्रमुख सहायक नदियों में शामिल है। पर्यावरणीय दृष्टि से यह क्षेत्र बेहद समृद्ध है। यहां भालू, कस्तूरी मृग, भरल, मोनाल, हिमालयी तीतर समेत कई वन्यजीव और बुरांश, बांज, उतीस, किल्मोड़ा, रिंगाल जैसी वनस्पतियां पाई जाती हैं।

पिंडारी ग्लेशियर तक पहुंचने के लिए बागेश्वर से खाती तक करीब 50 किमी सड़क मार्ग, इसके बाद खाती-द्वाली (12 किमी), द्वाली-फुरकिया (6 किमी) और फुरकिया से जीरो प्वाइंट तक 8 किमी पैदल यात्रा करनी पड़ती है।

उच्च हिमालयी क्षेत्र में लगातार होने वाली तीव्र वर्षा से भूमि कटाव की समस्या भी बढ़ रही है। भू-क्षरण को रोकने के लिए वन विभाग ने प्राकृतिक आधारित उपायों के तहत कई स्थानों पर नारियल की रस्सियों से बने जाल लगाए हैं, जिससे मृदा संरक्षण और पुनर्स्थापन का प्रयास किया जा रहा है।

स्थानीय लोगों का मानना है कि क्षेत्र की जैव विविधता और प्राकृतिक सुंदरता को देखते हुए पर्यटन को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

किसान गोष्ठी में किसानों को संतुलित उर्वरक उपयोग के प्रति किया जागरूक

अल्मोड़ा(आरएनएस)। विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान की ओर से %संतुलित उर्वरक उपयोग पर गहन अभियान% के तहत ताकुला विकासखंड के पाटिया गांव में किसान गोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम में किसानों को मृदा स्वास्थ्य संरक्षण और टिकाऊ खेती के लिए वैज्ञानिक तरीके अपनाने की जानकारी दी गई। संस्थान के निदेशक डॉ. लक्ष्मी कांत के निर्देशन में आयोजित गोष्ठी में 21 किसानों ने प्रतिभाग किया, जिनमें छह महिलाएं और 15 पुरुष किसान शामिल रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्वतीय क्षेत्रों में रासायनिक उर्वरकों के असंतुलित प्रयोग को रोकना और किसानों को वैज्ञानिक खाद प्रबंधन के प्रति जागरूक करना था। तकनीकी सत्र में प्रधान वैज्ञानिक डॉ. कृष्ण कांत मिश्रा ने कहा कि संतुलित उर्वरक उपयोग खेती की लागत कम करने के साथ भूमि की उत्पादन क्षमता बनाए रखने में भी सहायक है। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. प्रकाश चंद घासल ने बताया कि उर्वरकों के अनियंत्रित प्रयोग से मिट्टी की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है, जिससे उत्पादन में गिरावट और पर्यावरण प्रदूषण जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। वैज्ञानिकों ने किसानों को एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन अपनाने की सलाह दी। इस दौरान नैनो यूरिया के उपयोग, स्थानीय संसाधनों के पुनर्चक्रण, दलहनी फसलों के समावेश और वर्मीकम्पोस्ट निर्माण की जानकारी दी गई। किसानों को गोबर की खाद को सुरक्षित तरीके से संरक्षित करने और फसल अवशेषों को जैविक खाद में बदलने के उपाय भी बताए गए। गोष्ठी में वन्यजीवों से फसलों को होने वाले नुकसान पर भी चर्चा हुई। वैज्ञानिकों ने किसानों को हल्दी और अदरक जैसी नकदी फसलों की खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया, जिससे बंदरों से होने वाले नुकसान को कम किया जा सके। समापन सत्र में किसानों से मृदा स्वास्थ्य कार्ड की संस्तुतियों के अनुसार उर्वरकों का प्रयोग करने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित किसानों ने संस्थान की ओर से सुझाई गई तकनीकों और सुरक्षित फसल विकल्पों को अपनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर देवेंद्र सिंह कार्की और वर्षा कार्की भी मौजूद रहे।

कांग्रेस ने प्रदेश सरकार को घेरा

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने उत्तराखंड की धामी सरकार पर सवाल उठाए हैं। गदरपुर से भाजपा विधायक वह पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविंद पांडे की ओर से लिखे गए पत्र मे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े खड़े किए हैं।

बता दें कि कांग्रेस के अनुसार सोशल मीडिया पर इन दिनों अरविंद पांडे के नाम से जुड़ा एक पत्र वायरल हो रहा है। कांग्रेस प्रदेश गणेश गोदियाल ने इस पत्र को आधार बनाते हुए धामी सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा पिछले तीन सालों से राज्यपाल से एक महत्वपूर्ण विषय के संबंध में समय मांगा जा रहा है पर राज्यपाल राजनीति से प्रेरित होकर समय नहीं दे रहे हैं। तभी यह महत्वपूर्ण विषय मीडिया के समक्ष सरकार तक पहुंचाया जा रहा है।

●बीजेपी विधायक का तथाकथित लेटर वायरल का मामला
●कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री धामी पर निशाना साधा
●सरकार पर कागजों में ही विकास दिखाने का आरोप लगाया

गोदियाल ने कहा अरविंद पांडे ने जिस व्यक्ति को यह पत्र संबोधित किया है उसको काले रंग से मिटा दिया गया है, जिन शब्दों का उपयोग किया गया है वह बता रहा है कि यह पत्र किसे संबोधित किया गया है। उन्होंने कहा इस पत्र में इतनी गंभीर बातें कही गई हैं, जिनकी जांच न्यायिक देखरेख में कराना बहुत जरूरी है।

गोदियाल ने कहा जब सत्ता पक्ष के विधायक को ही शिकायत करनी पड़ रही है तो फिर आम जनता की सुरक्षा की स्थिति क्या होगी? गोदियाल ने सरकार पर सिर्फ कागजों में ही विकास दिखाने का आरोप लगाया। उन्होंने अरविंद पांडे के इस पत्र की सत्यता की जांच करने की मांग की है।

भाजपा ने किया बचावः 'भाजपा विधायक के नाम का पत्र कूट रचित'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान ने कांग्रेस द्वारा भाजपा विधायक अरविंद पांडे के कथित वायरल पत्र को मनगढंत और कूट रचित बताते हुए सभी आरोपों को निराधार और आपत्ति जनक बताया है।

चौहान ने कहा कि इस तरह के पत्र को सत्यता किसी भी तरह से स्पष्ट नहीं है और ना ही विधायक द्वारा किसी भी तरह से पार्टी के संज्ञान में यह जानकारी पत्र या किसी अन्य माध्यम से दी गई है। विधायक के आरोपों को आधार बनाकर कांग्रेस द्वारा फैलाई जा रही भ्रांति पहले भी कई बार निराधार ही साबित हुई है।

हालांकि इस संबंध में पार्टी नेतृत्व की ओर से अपने विधायक से इस विषय को लेकर जानकारी ली जाएगी। वह हमारे वरिष्ठ कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि है, लिहाजा उनका पक्ष जानने के बाद ही यथोचित कार्रवाई की जाएगी। यदि कुछ भी गलत पाया गया तो अनुशासनहीनता किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। चौहान ने बिना पुष्टि के इस पत्र को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा की गई बयानबाजियां को पूरी तरह अनर्गल एवं राजनीति से प्रेरित बताया है। उन्होंने कहा भाजपा एक कैडर आधारित अनुशासित पार्टी है, जो अपने कार्यकर्ता के सम्मान का ख्याल भी रखती है और समय आने पर कड़ी अनुशासन की कार्रवाई भी करती है। लिहाजा पार्टी का शीर्ष इस मुद्दे पर शीघ्र उचित समय कर उचित निर्णय लेगा।

पुलिस ने खोये हुए 152 फोन बरामद कर उनके मालिकों को सौंपे

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। ऑपरेशन रिकवरी के तहत पुलिस को बड़ी सफलता हासिल हुई है। पुलिस ने 152 मोबाइल बरामद कर उन्हे उनके मालिकों को सौंप दिया गया है। जिससे फोन मालिकों के चेहरो पर मुस्कान लौट आयी है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह के नेतृत्व में पुलिस द्वारा लगातार लोगों के खोए हुए फोन लौटाने का कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में आज सिडकुल पुलिस द्वारा प्रभावी कार्यवाही करते हुए कुल 152 खोए हुए मोबाइल फोन बरामद किए हैं खोए मोबाइल फोन की तलाश में सीईआईआर पोर्टल अत्यंत प्रभावी साबित हो रहा है। पुलिस टीम ने देश के विभिन्न राज्यों की पुलिस से समन्वय स्थापित कर पोर्टल के माध्यम से इन मोबाइल फोन की सफल रिकवरी की। बरामद मोबाइल में कुछ फोन सिडकुल क्षेत्र की कंपनियों में कार्यरत बाहरी राज्यों से आए कर्मचारियों के हैं, जबकि अन्य स्थानीय निवासियों के हैं। जो लोग अपने मोबाइल मिलने की उम्मीद छोड़ चुके थे, उनके चेहरों पर थाना सिडकुल पुलिस के प्रयासों से फिर से खुशी लौट आई। इस सराहनीय कार्य के लिए आमजन द्वारा पुलिस की भूरी-भूरी प्रशंसा की जा रही है।

15 जून तक सीएम घोषणाओं के लंबित शासनादेश जारी करने के निर्देश

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 15 जून तक सीएम घोषणाओं के लंबित शासनादेश जारी करने के निर्देश देते हुए कहा कि रघुनाथ मंदि, लक्ष्मण मंदिर और सीता माता मंदिर को धार्मिक सर्किट रूप में विकसित किया जायेगा।

❑रघुनाथ मंदिर, लक्ष्मण मंदिर और सीता माता मंदिर को धार्मिक सर्किट के रूप में भव्यता से किया जायेगा विकसित

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में मुख्यमंत्री घोषणाओं के अंतर्गत विधानसभा क्षेत्रों यमकेश्वर, पौड़ी, श्रीनगर, चौबट्टाखाल, लैंसडाउन और कोटद्वार की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को ये निर्देश दिए। मुख्यमंत्री घोषणाओं को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने तथा उनकी प्रभावी निगरानी के लिए प्रोग्राम इवैल्यूएशन एंड रिव्यू टेक्निक (पी.ई.आर.टी.) चार्ट तैयार किया जाए। बिजली, पेयजल, वनाग्नि, मानव-वन्यजीव संघर्ष तथा सड़क से संबंधित समस्याओं का विभागों द्वारा यथाशीघ्र समाधान किया जाए। स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाए। विधायकों द्वारा अपने क्षेत्रों की जिन समस्याओं को उठाया जा रहा है, अधिकारी उन्हें गंभीरता से लेते हुए प्राथमिकता के आधार पर उनका समाधान करें। जिन घोषणाओं के अभी तक शासनादेश जारी नहीं हुए हैं, उन्हें 15 जून 2026 तक जारी किया जाए। सभी विभाग आपसी समन्वय से जनसमस्याओं का समाधान करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के प्रत्येक विकासखंड में बालिकाओं के लिए एक-एक छात्रावास बनाया जाएगा। इसके लिए प्रत्येक ब्लॉक में छात्राओं की सर्वाधिक संख्या वाले विद्यालयों को चिन्हित करते हुए आवश्यक भूमि उपलब्ध कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए। उन्होंने कहा कि रघुनाथ मंदिर, कोट ब्लॉक स्थित लक्ष्मण मंदिर तथा फलस्वाड़ी स्थित सीता माता मंदिर को धार्मिक सर्किट के रूप में भव्यता से विकसित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विधायकगणों द्वारा केंद्रीय विद्यालय संगठन खोलने के लिए दिए जा रहे प्रस्तावों पर शिक्षा विभाग तथा संबंधित जिलाधिकारी केंद्र सरकार के मानकों के अनुरूप सभी आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें, ताकि प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजे जाने पर उन्हें शीघ्र स्वीकृति मिल सके।युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए पौड़ी में मल्टीपरपज हॉल बनाया जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विधायकों द्वारा बैठक में उठाई गई समस्याओं का संबंधित विभागीय सचिव प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री घोषणाओं से संबंधित रोपवे प्रकरणों की अलग से समीक्षा की जाए। साथ ही पार्किंग की समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान किया जाए तथा सरकारी कार्यालयों में नियमित रूप से सोलर पैनल लगाए जाएं।

बैठक में कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज, डॉ. धन सिंह रावत, विधायक श्रीमती रेनू बिष्ट, श्री राजकुमार पोरी, दलीप सिंह रावत, मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, प्रमुख सचिव डॉ. आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिव शैलेश बगोली, रविनाथ रमन, डॉ. पंकज कुमार पांडेय, डॉ. आर. राजेश कुमार, रणवीर सिंह चौहान, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष तथा वर्चुअल माध्यम से गढ़वाल आयुक्त विनय शंकर पाण्डेय और जिलाधिकारी पौड़ी श्रीमती स्वाति भदौरिया उपस्थित थे।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के सफल क्रियान्वयन के लिए बैठक आयोजित

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। 7 मई 2026 को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के सफल क्रियान्वयन के लिए जिला अधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर के सिंह की अध्यक्षता में जिला समन्वय समिति की बैठक का आयोजन जिला सभागार में किया गया।

बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर के सिंह ने अवगत कराया कि 7 मई 2026 को जनपद हरिद्वार के 1 से 19 आयु वर्ग के लगभग 712146 बच्चों, किशोर एवं किशोरियों को कृमि मुक्ति की दवा एल्बेन्डाजोल की गोली समस्त स्कूल तथा आंगनबाड़ी केन्द्रों पर खिलाई जायेगी। उन्होंने कहा कि 7 मई 2026 को दवा खाने से वंचित बच्चों, किशोर एवं किशोरियों को दिनांक 14 मई 2026 को कृमि मुक्ति की दवा एल्बेन्डाजोल की गोली खिलाई जायेगी। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए है कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए

संबंधित अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए, इसका व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए ताकि अधिक से अधिक बच्चों को निर्धारित तिथि को ही दवाई खिलाई जाए, साथ ही सभी आंगनवाड़ी केंद्रों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि किसी भी प्रतिकूल घटनाओं के प्रबंधन के लिए टोल फ्री नंबर 104 एसएमएस,व्हाट्सएप के माध्यम से शिक्षक /आशा/आंगनबाड़ी कार्यकर्ता/एएनएम को उपलब्ध कराए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में आंगनबाड़ी कार्यकत्री हड़ताल पर है तथा आंगनबाड़ी में अध्ययनरत बच्चे दवा से वंचित न रहे इसके लिए क्षेत्र की आशा के माध्यम से बच्चों को एल्बेन्डाजोल की दवा खिलाई जाए इसके लिए उन्होंने बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग एवं एमओआईसी आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए रणनीति तैयार करने के निर्देश दिए।

इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी (प्रा.शि.) अमित कुमार चन्द, मुख्य नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गंभीर तालियान, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास धर्मवीर, चिकित्सा अधीक्षक भगवानपुर डॉ. अनुज सिसोदिया, लक्सर डॉ. रफीक, इमलीखेड़ा डॉ. राव अकरम, बहादराबाद डॉ. आरती बहल,खानपुर डॉ. कुंदन, प्रोग्राम ऑफिसर आरकेएसके/ एनडीडी भजन पावर सहित आंगनबाड़ी सुपरवाइजर मौजूद रहे।

विधानसभा चुनाव के लिए राजनैतिक दलों के रणनीतिकारों ने तैयार कर रहे हैं विजय पथ

बंद कमरों में जीत का 'अमृत' मंथन

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए राजनीति गर्माने लगी है। सत्ता पक्ष और विपक्षकृदोनों ही अपने-अपने स्तर पर चुनावी रणनीति को धार देने में जुट गए हैं। राजनैतिक दलों के बंद कमरों में सियासी मंथन से जीत के अमृत निकालने की कोशिश की जा रही है, जो सत्ता की राह को आसान बना सके। राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो इस बार की रणनीति परंपरागत न होकर पूरी तरह डेटा और डिलीवरी पर आधारित होगा। अभी तक राजनैतिक दल प्रदेश के नेताओं के साथ बैठकों में रणनीति पर विचार कर रहे हैं और जल्द ही राष्ट्रीय नेताओं के साथ प्रदेश में विध ानसभा चुनाव की जीत के लिए सियासी मंथन होगा। इसके लिए भाजपा और कांग्रेस के बडेघ नेताओं के उत्तराखंड दौरे तय हो गए हैं।

सूत्रों की माने तो अभी तक प्रदेश स्तरीय नेताओं की बैठकों में विधानसभा चुनाव में जीत के लिए बनी रणनीति को पार्टी हाईकमान को भेज दिया गया है और पार्टी हाईकमान की स्वीकृति के बाद इस पर फिर से मंथन होगा। वैसे भी विधानसभा चुनाव में सफलता की कुंजी माने जाने वाले बूथ प्रबंधन को इस बार भी सबसे अधिक प्राथमिकता दी जा रही है। प्रत्येक बूथ पर कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी तय करने, मतदाता सूची के

●चुनावी रणनीति पर मंथन, जीत का खाका तैयार करने में जुटे राजनैतिक दल

●संगठन से लेकर सोशल मीडिया तक बना रहे हैं राजनैतिक दल नई रुपरेखा

●रणनीति परंपरागत न होकर पूरी तरह डेटा और डिलीवरी पर होगी आधरित

पुनरीक्षण और छूटे हुए मतदाताओं को जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाने की योजना बनाई जा रही है। राजनैतिक बैठकों में मंथन का सबसे बड़ा केंद्र बिंदु राज्य का साइलेंट वोटर है। इसमें विशेष रूप से पहाड़ की मातृशक्ति और युवा वर्ग शामिल हैं। रणनीतिकार जानते हैं कि रैलियों में दिखने वाली भीड़ अक्सर वोटों में तब्दील नहीं होती, इसलिए इस बार फोकस डोर-टू-डोर संवाद और महिलाओं के कल्याण की योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने पर है।

इसके साथ ही उत्तराखंड के संदर्भ में भू-कानून, पलायन और रोजगार जैसे मुद्दे हमेशा हावी रहते हैं। रणनीति इस बार ऐसी बनाई जा रही है, जिसमें राष्ट्रीय नेतृत्व की छवि का मेल स्थानीय मुद्दों से कराया जा सके। बैठकों में इस बात पर मंथन हो रहा है कि कैसे क्षेत्रीय अस्मिता को ठेस पहुंचाए बिना विकास के बड़े दावों को पेश किया जाए। राजनीतिक मंथन का अमृत वही दल चख पाएगा, जो जनता की भावनाओं और जमीनी हकीकत के बीच सही संतुलन बना पाएगा। इस बार मुकाबला केवल चेहरे का नहीं, बल्कि भरोसे का है।

सूत्रों के अनुसार पार्टी नेतृत्व जल्द प्रदेश स्तर के नेताओं के साथ-साथ जिला और मंडल स्तर के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर जमीनी फीडबैक लेना और उसी के आधार पर चुनावी रणनीति को अंतिम रूप देने की दिशा में कार्य कर रहा है। कुल मिलाकर, यह रणनीतिक मंथन आगामी चुनाव की दिशा और दशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। अब देखना होगा कि यह योजनाएं जमीनी स्तर पर कितना असर दिखा पाती हैं। यह आने वाले चुनाव के परिणाम पर निर्भर करेगा और सत्य का पता भी चल पाएगा।

स्कूल के लिए घर से निकले बर्च्चे को जंगल से किया रेस्क्यू

हमारे संवाददाता

चमोली। स्कूल के लिए घर से निकला बच्चा अनजाने में ही लापता हो गया। परिजनों को जानकारी मिलने पर उन्होने पुलिस से सम्पर्क किया। मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल कड़ी मशक्कत के बाद बालक को जंगल से रेस्क्यू कर उसे परिजनों की सुपुर्दगी में दे दिया है। पुलिस की इस कार्यशैली की स्थानीय लोगों ने सराहना की है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह लगभग 06:45 बजे, एक नाबालिग बालक अपने घर से प्राइमरी विद्यालय के लिए निकला था। काफी समय बीत जाने के बाद भी जब बच्चा न तो स्कूल पहुँचा और न ही वापस घर लौटा, तो परिजनों में हड़कंप मच गया। परिजनों द्वारा इसकी सूचना तत्काल कोतवाली गोपेश्वर पुलिस को दी गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए, पुलिस द्वारा तत्काल हरकत में आते हुए विभिन्न संभावित स्थानों पर सघन खोजबीन अभियान शुरू किया गया साथ ही स्थानीय लोगों से

भी पूछताछ की गई। पुलिस टीम ने हार न मानते हुए आसपास के जंगलों में तलाशी अभियान चलाया। पुलिस टीम की कड़ी मेहनत और गहन खोजबीन के बाद, लापता बच्चे को जंगल से सही-सलामत और सकुशल बरामद कर लिया गया। बच्चा घबराया हुआ था, जिसे पुलिस कर्मियों ने प्यार और दुलार से सामान्य किया। पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही पूर्ण करने के पश्चात बच्चे को उसके माता-पिता के सुपुर्द कर दिया गया है। परिजनों ने गोपेश्वर पुलिस की कर्मठता और त्वरित रिस्पॉन्स के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया है।

ऑनलाइन ठगी करने वाला फरार आरोपी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

पिथौरागढ़। आनलाइन ठगी कर फरार चल रहे एक आरोपी को पुलिस ने मथुरा से गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार 14 सितम्बर 2022 को हरी सिंह द्वारा थाना थल में सूचना दी गई थी कि एक व्यक्ति द्वारा उनसे 99 हजार रूपये की ऑनलाइन ठगी की गई है। मामले में थाना थल में पुलिस ने सम्बन्धित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। जांच के दौरान आरोपी साबिर उर्फ शब्बू निवासी देवसेरस, थाना गोवर्धन, जनपद मथुरा (उ.प्र.) का नाम प्रकाश में आया।

पुलिस द्वारा पूर्व में आरोपी को नियमानुसार नोटिस तामील कराया गया, किन्तु वह न्यायालय में उपस्थित नहीं हुआ। जिस पर न्यायालय द्वारा आरोपी के विरुद्ध गैर जमानती वारंट जारी किया गया। थानाध्यक्ष थल प्रकाश पाण्डेय के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा आरोपी के संभावित ठिकानों पर दबिश दी गई। लगातार प्रयासों के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। जिसे न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

राज्यपाल ने किया लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी का भ्रमण

हमारे संवाददाता

देहरादून/मसूरी। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) ने आज मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में विभिन्न स्थलों का भ्रमण किया तथा वहां संचालित गतिविधियों का अवलोकन किया।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रात:काल राज्यपाल पोलो ग्राउंड पहुंचे, जहां उन्होंने व्यवस्थाओं एवं गतिविधियों का निरीक्षण किया। इसके पश्चात उन्होंने हैप्पी वैली स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स (एचवीएससी) का भ्रमण कर खेल

सुविधाओं एवं प्रशिक्षण व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस दौरान राज्यपाल ने कहा कि अकादमी में उपलब्ध खेल सुविधाएं अत्यंत उत्कृष्ट हैं और अधिकारियों के समग्र विकास में सहायक सिद्ध होती हैं। उन्होंने अकादमी के हॉस्टल्स का भी भ्रमण किया और अधिकारियों के साथ संवाद कर अकादमी की कार्यप्रणाली एवं प्रशिक्षण गतिविधियों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। राज्यपाल ने अकादमी में उपलब्ध उच्च स्तरीय प्रशिक्षण सुविधाओं की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के संस्थान देश के प्रशासनिक ढांचे को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

थानों में भी सुरक्षित नहीं वाहन, शराब के साथ पकडी स्कूटी चोरी

संवाददाता

देहरादून। थानों में भी वाहन सुरक्षित नहीं है। थाने के अन्दर खडी स्कूटी चोरी हो गयी। चोरी हुई स्कूटी शराब के साथ पकडी गयी थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रायवाला थाने में तैनात हैड कांस्टेबल गिरीश भट्ट ने रायवाला थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह थाना परिसर में खडे मुकदमों व एमवीएक्ट के वाहनों को माल रजिस्ट्र से मिलान कर चैक कर रहे थे तो उन्होने पाया कि मुकदमा अपराध संख्या 63/2026 धारा 60 (1)/72 आबकारी अधिनियम जो 30 अप्रैल 2026 के रपट संख्या 03 पर दाखिल स्कूटी यूके 14 एन 6967 मौजूद नहीं थी। जिसको आसपास प्रांगण में काफी तलाश किया गया। परन्तु स्कूटी नहीं मिली। तत्पश्चात थाना परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे में एक मई 2026 को समय लगभग 1.32 एएम बजे पर थाना फैमली आवास के पीछे से दो व्यक्ति आते दिखायी दिये तथा एक व्यक्ति पीछे खडा होकर निगरानी करने लगा तथा दूसरा व्यक्ति स्कूटी के पास आकर स्कूटी को चाबी से स्टार्ट कर तेजी से थाना प्रांगण से बाहर ले जाता दिखायी दे रहा है।

यहां यह अपने आप में एक सोचने वाली बात है कि चोरों के अन्दर पुलिस को कोई खौफ नहीं रह गया है। जब वह थाने के अन्दर से स्कूटी चोरी कर सकते हैं तो फिर तो कोई जगह सुरक्षित नहीं है। समाज व अपराधियों के अन्दर एक ही तो खौफ दिखायी देता है और वह खौफ पुलिस का होता है। जब अपराधियों के अन्दर पुलिस का भी कोई खौफ नहीं रह गया हो तो फिर तो वह कहीं से भी कोई भी चीज उठाकर ले जा सकते हैं। यह बात अब लोगों को सोचने पर मजबूर कर रही है कि जब चोर थाने के अन्दर से स्कूटी चोरी करने का साहस दिखा सकते हैं तो फिर तो उनके लिए कोई भी स्थान मायने नहीं रखता है।

फोन हैक कर निकाले दो लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। ठगों ने फोन हैक कर दो लाख रूपये की ठगी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बापू ग्राम निवासी रोहित कुमार ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कर बताया कि उसके फोन पर कॉल आयी। फोन करने वाले ने उससे उसके गूगल पे की जानकारी ली। जिसके बाद उसका फोन हैक ओ गया और उसके खाते से दो लख पांच हजार रूपे निकल गये।

पु लिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।